प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में होगी पारम्परिक कृषि में नवीन शोध पर कार्यशाला

पंतनगर। २७ अगस्त, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में स्थित एशिएन एग्री-हिस्ट्री फाउंडेशन के उत्तराखण्ड चैप्टर द्वारा 'पारम्परिक कृषि में नवीनता का समावेश : मानवता को बचाने का विकल्प' विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का २९ व ३० अगस्त २०१७ को आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित होने वाले कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि फाउंडेशन के एमेरिटस अध्यक्ष, डा.वाई.एल. नेने, होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, करेंगे।

इस दो-दिवसीय कार्यशाला में चार तकनीकी सत्रों सहित छः सत्र होंगे, जिनमें डा. नेने के अतिरिक्त कृषि शोध, अभिनन तंत्र एवं विकास पर अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदाता व फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी, डा. एस.पी.एस. बेनीवाल; आंध्र प्रदेश सरकार के शून्य बजट प्राकृतिक कृषि (जैडबीएनएफ) के सलाहकार, पद्म श्री सुभाष पालेकर; बीज बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता, उत्तराखण्ड के श्री विजय जड़धारी; जैविक खेती के लिए पुरस्कृत कृषक श्री गड्डे सतीश बाबू तथा मध्य प्रदेश के प्रगतिशील कृषक, जो परंपरागत कृषि करते हुए इसकी नवोन्मेषी तकनीकों को वृहद स्तर पर प्रसारित कर रहे हैं, श्री तारा चंद बेलजी, के उद्बोधन होंगे। इस कार्यशाला में परंपरागत कृषि में नये प्रयोगों द्वारा कृषि व वातावरण को टिकाऊ बनाने के लिए सुझाव प्राप्त होंगे। कार्यशाला में वैज्ञानिक, योजनाकार, गैर-सरकारी संगठन, अधिकारी तथा कृषि व संबंधित विषयों से जुड़े लोग, कृषक व विद्यार्थी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस अवसर पर एशियन एग्री हिस्ट्री फाउंडेशन के उत्तराखण्ड चैप्टर का न्यूज लैटर भी जारी किया जाएगा।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक